# शर्करा संस्थान में इंडोनेशिया कंपनी की टीम सीखेंगी चीनी उत्पादकता बढ़ाने के गुण

जगराज दर्पण समाचार

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में राजवाली ग्रुप ऑफ शुगर फैक्ट्रीज, इन्डोनेशिया के तकनीकी अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में निदेशक (संचालन) के अतिरिक्त उत्पादन अभियांत्रिकी एवं गुणवत्ता प्रबंधन के अध्यक्ष सहित 20 वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को सैद्धांतिक प्रशिक्षण के अलावा नजदीक की चीनी मिल में प्रायोगिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।नानिक सॉलिस्त्योवती, निदेशक (संचालन) ने कहा कि इन्डोनेशिया में फार्म से लेकर फैक्ट्री तक उत्पादकता में तुलनात्मक रूप से काफी कमी है। वहाँ गन्ने की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता के साथ साथ गन्ने से चीनी की रिकवरी जहां कम है वहीं चीनी कारखानों की दक्षता भारत की तुलना में कम है। इन्डोनेशिया एक कम चीनी उत्पादन करने वाला देश है जो अपनी चीनी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दूसरे देशों से आयात पर निर्भर है। चीनी के मामले में आत्मनिर्भर होने के लिए यह देश चीनी से जुड़े हर क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाना चाहता है। इसी उद्देश्य से उनकी टीम ने शर्करा संस्थान से सहयोग के लिए संपर्क किया है।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि इन्डोनेशिया की चीनी कंपनी के लिए संस्थान का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है तथा भविष्य में इस प्रकार के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्थान के द्वारा प्रशिक्षुओं को ऊर्जा संरक्षण, विद्युत उत्पादन एवं विद्युत निर्यात, दक्षता में सुधार, गुणवत्ता नियंत्रण और चीनी उत्पादक इकाइयों की आय में सुधार के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों के विकास पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। दोनों संगठन भविष्य में और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के अधिकारियों द्वारा इन्डोनेशिया में चीनी कारखानों की दक्षता सुधार और आधुनिकीकरण पर परामर्श हेतु समझौता ज्ञापन के लिए भी सहमत हुये हैं, जिस पर शीघ्र ही हस्ताक्षर किए जायेंगे। प्रशिक्षुओं के इस समूह ने संस्थान के द्वारा जारी अनुसंधान कार्यों से जुड़ी जानकारी के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का भी अवलोकन किया।

**एनएसआई में प्रशिक्षण लेते तकनीकी अधिकारी।**

# एनएसआई में तकनीकी अधिकारियों को मिला प्रशिक्षण

कानपुर, 8 फरवरी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में पीटीपीजी राजवाली ग्रुप ऑफ शुगर फैक्ट्रीज, इंडोनेशिया के तकनीकी अधिकारियों के लिये एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को शुरू किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को सैद्धांतिक प्रशिक्षण के अलावा नजदीक की चीनी मिल में प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। निदेशक (संचालन) नानिक सोलिस्त्योवती ने बताया कि इंडोनेशिया चीनी के मामले में आत्मनिर्भर होने के लिये चीनी से जुड़े हर क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाना चाहता है। इसी उद्देश्य से उनकी टीम ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर से सहयोग के लिये संपर्क किया है। एनएसआई के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने बताया कि इंडोनेशिया की चीनी कंपनी के लिये संस्थान का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है। भविष्य में इस प्रकार के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

# Training programme for technical officers

**PNS** ■ KANPUR

Director, National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan while addressing the first training programme conducted especially for Indonesian sugar company said the NSI was going to impart technical know-how to the participants on energy conservation, co-generation and export of power, efficiency improvement, quality control and on producing value-added products to enhance income streams for making the sugar units viable.

He said both the organisations also agreed to sign an MoU for undertaking many activities in future like training programmes and visit of NSI officials to Indonesia for making on the spot study of the sugar plants and technical expertise for modernisation and above all efficiency improvement.

The visiting participants also visited various laboratories and other facilities of the NSI to gain further knowledge on research work being carried out by the institute.

The Indonesian delegation participating in a training session at National Sugar Institute on Wednesday.

Prof Mohan said this was in fact a week-long training programme for the technical officers of PT PG Rajawali Group of Sugar Factories, Indonesia which took off on Wednesday. Twenty senior staff, including Director (Operations) and heads of production, national sugar engineering and quality control were participating in the technical session at the NSI.

He said during the training programme apart from theoretical training, practical exposure shall be provided to the participants in a nearby sugar factory. He said Indonesia was also a sugar deficient country and relied on import of sugar from other countries.

Director (Operations) Nanik Soelistyowati said to be self- reliant in sugar the country was looking to an all around productivity enhancement and for this purpose, we had sought support of NSI, Kanpur.

# राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ आयोजित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में PT PG राजवाली ग्रुप ऑफ शुगर फैक्ट्रीज, इन्डोनेशिया के तकनीकी अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में निदेशक (संचालन) के अतिरिक्त उत्पादन, अभियांत्रिकी एवं गुणवत्ता प्रबंधन के अध्यक्ष सहित 20 वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को सैद्धांतिक प्रशिक्षण के अलावा नजदीक की चीनी मिल में प्रायोगिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। श्रीमती नानिक सोलिस्त्योवती, निदेशक (संचालन) ने कहा कि इन्डोनेशिया में फार्म से लेकर फैक्ट्री तक उत्पादकता में तुलनात्मक रूप से काफी कमी है। वहाँ गन्ने की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता के साथ-साथ गन्ने से चीनी की रिकवरी जहां कम है वहीं चीनी कारखानों की दक्षता भी भारत की तुलना में कम है। इन्डोनेशिया एक कम चीनी उत्पादन करने वाला देश है जो अपनी चीनी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दूसरे देशों से आयात पर

निर्भर है। चीनी के मामले में आत्मनिर्भर होने के लिए यह देश चीनी से जुड़े हर क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाना चाहता है। इसी उद्देश्य से उनकी टीम ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर से सहयोग के लिए संपर्क किया है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने बताया कि इन्डोनेशिया की चीनी कंपनी के लिए संस्थान का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है तथा भविष्य में इस प्रकार के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्थान के द्वारा प्रशिक्षुओं को ऊर्जा संरक्षण, विद्युत उत्पादन एवं विद्युत निर्यात, दक्षता में सुधार, गुणवत्ता नियंत्रण और चीनी उत्पादक इकाइयों की आय में सुधार के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों के विकास पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। दोनों संगठन भविष्य में और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के अधिकारियों द्वारा इन्डोनेशिया में चीनी कारखानों की दक्षता सुधार और आधुनिकीकरण पर परामर्श हेतु रूम (समझौता ज्ञापन) के लिए भी सहमत हुये हैं, जिस पर शीघ्र ही हस्ताक्षर किए जायेंगे। प्रशिक्षुओं के इस समूह ने संस्थान के द्वारा जारी अनुसंधान कार्यों से जुड़ी जानकारी के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का भी अवलोकन किया।

# इंडोनेशिया के तकनीकी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर मे पीटीपीजी राजवाली ग्रुप ऑफ शुगर फैक्ट्री इंडोनेशिया के तकनीकी अधिकारियों के लिए 1 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया इस प्रशिक्षण कार्यक्रम मे निदेशक संचालन के अतिरिक्त उत्पादन अभियांत्रिकी एवं गुणवत्ता प्रबंधन के अध्यक्ष सहित 20 वरिष्ठ अधिकारी शामिल है इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षओ को सैद्धांतिक प्रशिक्षण के अलावा नजदीकी चीनी मिल मे प्रायोगिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि इंडोनेशिया की चीनी कंपनी के लिए संस्थान का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है तथा भविष्य

मे इस प्रकार के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे संस्थान के द्वारा प्रशिक्षुओ को ऊर्जा संरक्षण विद्युत उत्पादन एवं विद्युत निर्यात दक्षता भी भारत की तुलना मे कम है चीनी के मामले मे आत्मनिर्भर होने के लिए यह देश चीनी से जुड़े हर क्षेत्र मे उत्पादकता बढ़ाना चाहता है इसी उद्देश्य से उनकी टीम ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर से सहयोग के लिए संपर्क किया दोनों संगठन भविष्य मे और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के अधिकारियों द्वारा इंडोनेशिया मे चीनी कारखानों की दक्षता सुधार और आधुनिकरण का परामर्श हेतु समझौता ज्ञापन के लिए भी सहमत हुए हैं इस पर शीघ्र हस्ताक्षर किए जाएंगे।

# इंडोनेशिया सीख रहा चीनी उत्पादन बढ़ाने की तकनीक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में इंडोनेशिया की राजवाली ग्रुप ऑफ शुगर फैक्ट्रीज के विशेषज्ञों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्हें सैद्धांतिक प्रशिक्षण के साथ नजदीक की चीनी मिल में प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन्डोनेशिया के निदेशक (संचालन) सोलिस्त्योवती ने कहा उनके देश में फार्म से लेकर फैक्ट्री तक उत्पादन प्रतिशत भारत के मुकाबले कम है। वहां गन्ने की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता के साथ-साथ गन्ने से चीनी की रिकवरी कम है। चीनी कारखानों की दक्षता भी भारत की तुलना में कमजोर है। चीनी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दूसरे देशों से आयात पर निर्भर है। चीनी के मामले में आत्मनिर्भर होने के लिए यह देश चीनी से जुड़े हर क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाना चाहता

**● एनएसआई में सप्ताह भर तक चलेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम**

इंडोनेशिया के तकनीकी अधिकारी को प्रशस्ति पत्र देते प्रो . नरेंद्र मोहन।

है, जिसके लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया जाएगा। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि इन्डोनेशिया की चीनी कंपनी के लिए संस्थान का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है। चीनी से संबंधित सभी सुधार के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

# राजवाली ग्रुप ऑफ शुगर फैक्ट्रीज, इन्डोनेशिया के तकनीकी अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण

# इन्डोनेशिया की शुगर फैक्ट्री के तकनीकी अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

कानपुर (एसएनबी)। इन्डोनेशिया में चीनी उत्पादन बढ़ाने में मदद दे रहे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में वहां की प्रमुख चीनी मिल समूह के तकनीकी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। एक सप्ताह के कार्यक्रम में इन्डोनेशिया के तकनीकी अधिकारियों को सैद्धान्तिक प्रशिक्षण के साथ-साथ नजदीक की चीनी मिल में प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

**राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इन्डोनेशिया को देगा चीनी उत्पादन बढ़ाने में मदद**

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आयोजित एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीटी पीजी राजवाली ग्रुप ऑफ शुगर फैक्ट्रीज के 20 तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। इनमें निदेशक संचालन के अतिरिक्त उत्पादन, अभियांत्रिकी व गुणवत्ता प्रबंधन के अध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। प्रशिक्षण के दौरान इन प्रशिक्षुओं को सैद्धांतिक प्रशिक्षण के साथ-साथ नजदीक की शुगर फैक्ट्री में प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस मौके पर पीटी पीजी ग्रुप ऑफ शुगर फैक्ट्रीज की निदेशक (संचालन) नानिक सोलिस्योवती ने कहा कि इन्डोनेशिया में फार्म से लेकर फैक्ट्री तक उत्पादकता में तुलनात्मक रूप से काफी कमी है। वहां गन्ने की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता के साथ-साथ गन्ने से चीनी की रिकवरी तो कम है ही, भारत की तुलना में चीनी कारखानों की दक्षता भी काफी कम है। इन्डोनेशिया एक कम चीनी उत्पादन वाला देश है, जो अपनी चीनी की आवश्यकता पूर्ति के लिये दूसरे देशों से आयात पर निर्भर है। चीनी के मामले में आत्मनिर्भर होने के लिये यह देश चीनी से जुड़े हर क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाना चाहता है। इसी उद्देश्य से उनकी टीम ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहयोग लिया है। संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने कहा कि इन्डोनेशिया की चीनी कंपनी के लिये संस्थान का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। दोनों संस्थानों ने भविष्य में और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही इन्डोनेशिया में चीनी कारखानों की दक्षता में सुधार और आधुनिकीकरण के लिये एक एमओयू के लिये सहमति जतायी।


CARBON S
REGD OFF: 7/181 A, Dule
Email: carbonspecialities85
Pursuant to Regulation
Obligations and Discl
LODR"), notice is hereby
Company is scheduled
inter alia, to consider a
quarter ended Decemb
independent director tha
and Mr. Awashesh Dixit,
Pursuant to the Compa
closed till 48 hours of
(Prohibition of insider tra
Place: Kanpur
Date: 07.02.2023

## चीनी उत्पादन बढ़ाने की तकनीक सीखने आए

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में आई इंडोशिया की टीम का नेतृत्व कर रहीं नानिक सोलिस्त्योवती ने कहा कि एनएसआई की मदद से अब हम चीनी के मामले में आत्मनिर्भर होना चाहते हैं। चीनी से जुड़े हर क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाना चाहते हैं। पीटीपीजी राजवाली ग्रुप ऑफ शुगर फैक्ट्रीज, इंडोनेशिया के तकनीकी अधिकारी इन दिनों एनएसआई में विशेष प्रशिक्षण लेने आए हुए हैं।

# चीनी उत्पादन के यहां आकर गुर सीख रहे इंडोनेशियाई अफसर

**माई सिटी रिपोर्टर**

**कानपुर।** नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में इंडोनेशिया के शर्करा उद्योग के 20 वरिष्ठ अफसर चीनी उत्पादन, दक्षता सुधार, विद्युत उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण आदि के गुर सीख रहे हैं। इंडोनेशिया के पीटी पीजी राजावाली ग्रुप आफ शुगर फैक्ट्रीज के अधिकारियों को एनएसआई में एक सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि इंडोनेशियाई चीनी कंपनी के लिए संस्थान का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है। प्रशिक्षुओं के समूह को चीनी उत्पादक इकाइयों की आय में सुधार के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों के विकास के संबंध में भी जानकारी दी जाएगी। इंडोनेशियाई शर्करा उद्योग को दक्षता सुधार और आधुनिकीकरण के संबंध में परामर्श देने के लिए करार (एमओयू) पर सहमति बनी है। जल्दी ही दोनों पक्ष इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

इंडोनेशियाई प्रशिक्षुओं ने अनुसंधान कार्यों से जुड़ी जानकारी के लिए एनएसआई की विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं को भी देखा। इंडोनेशिया के पीटी पीजी राजावाली ग्रुप आफ शुगर फैक्ट्रीज की निदेशक (संचालन) नानिक सोलिस्त्योवती ने बताया कि उनके देश में फार्म से लेकर फैक्टरी तक उत्पादकता में तुलनात्मक रूप से काफी कमी है।